दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

सूरदास

पूर्णांक–30

नोटः– निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न–1 सूर के जीवन पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

अथवा

सूर जन्म से अन्धे थे, समझाइये।

प्रश्न–2 सूर साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

भक्ति आदोंलन को संक्षेप में समझाइये।

प्रश्न–3 भक्ति आन्दोलन में सूर की भूमिका का प्रतिपादन कीजिए।

अथवा

सूरदास शिल्प विधान बताइये।

प्रश्न–4 सूर का वात्सलय वर्णन अप्रतिम है। सिद्ध कीजिए।

अथवा

सूरदास का विप्रलम्ब संग्रार महत्व पूर्ण है।

प्रश्न–5 सूर की गोपियों को ध्यान में रखते हुये उनके विरह वर्णन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न–6 सिद्ध कीजिए कि सूर पुष्टि मार्ग के जहाज हैं।

अथवा

सूरदास का दार्शनिक तत्व समझाइये।

प्रश्न–7 सूर की राधा और भ्रमर गीत पर संक्षिप्त टिप्पणीं लिखिए।

अथवा

सूरदास की विनय भावना समझाइये।

दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

आधुनिक काव्य

पूर्णांक–30

नोटः– निम्नलिखित में से किन्ही पा□ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न–1 साकेत के नवम्सर्ग का काव्य सौस्ठव प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

उर्मिला का विरह वर्णन समझाइये।

प्रश्न–2 कामायनी के रूपक तत्व की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न–3 सिद्ध कीजिए कि पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं।

प्रश्न–4 'राम की शक्ति पूजा' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

प्रश्न–5 प्रयोगवादी काव्य की दृष्टि से अज्ञेय के काव्य की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–6 निराला की काव्य साघना पर एक निबन्ध लिखिए।

प्रश्न–7 मुक्तिबोध के काव्य की विशेषतायें लिखिए।

दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. उत्तरार्द्ध हिन्दी वर्ष 2017–18

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पूर्णांक–30

नोटः– निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न–1 भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

अथवा

भाषा विज्ञान की परिभाषा देते हुये, भाषा िक उत्पत्ति के सिद्धानत की बताइये।

प्रश्न–2 भाषा के विविध रूपों का वर्णन कीजिए।

अथवा

ध्वनि विज्ञान का स्वरूप एंव वर्गीकरण समझाइये।

प्रश्न–3 रूपिम की अवधारणा से आप क्या समझते हैं।

अथवा

स्वन की अवधारणायें समझाइये।

प्रश्न–4 वाक्य क्या है? विविध आधारों पर वाक्य के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

अथवा

अर्थ की अवधारणा एंव शब्द एंव अर्थ का संबंध समझाइये।

प्रश्न–5 आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

पालि, पाकृत, शौर सेनी, मागधी की विशेषतायें बताइये।

प्रश्न–6 पूर्वी हिन्दी एवं पश्चिमी हिन्दी को समझाइए।

अथवा

अनुवाद की आवश्यकता क्यों हैं देवनगरी लिपि का मानवीकीकरण समझाइये।

दूरस्थ षिक्षण अध्ययनषाला, जीवाजी विष्वविद्यालय, ग्वालियर

प्रदत्त कार्य – एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध वर्ष 2017–2018

आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक–30

नोटः– निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न–1 जयशंकर प्रसाद अथवा मोहनराकेश की नाट्यकला पर पठित नाटकों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

लहरों के राज हंस नाटक के शिल्प विधान की विवेचना कीजिये।

प्रश्न–2 नाटकीय तत्वों के आधार पर स्कदगुप्त नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

स्कन्दगुप्त के नाटक की पात्र योजना समझाइये।

प्रश्न–3 ''गोदान कृषक जीवन का महाकाव्य है।'' कथन की सम्यक समीक्षा कीजिए।

अथवा

होरी या धनिया का चरित्र चित्रण कीजिये।

प्रश्न–4 आंचलिक उपन्यास की दृष्टि से मैला ऑचल उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–5 साहित्य की महत्ता अथवा श्रद्धा–भक्ति निबन्ध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

अशोक के फूल अथवा आचरण की सभ्यता का सारांश लिखिए।

प्रश्न–6 पुरस्कार अथवा अपना–अपना भाग्य कहानी की कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

अथवा

कफन अथवा परदा कहानी का उदेश्य बताइये।

प्रश्न–7 निम्न में से किन्ही दोपर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

(अ) अमृतलाल नागर की उपन्यास कला

(ब) हरीशंकर परसाई व्यंग्य विधान

(स) मेला आंचल के हिन्ही दो पात्रों का परिचय

(द) उषा प्रियंवता का कथा साहित्य

(इ) अमृतलाल नागर का कथा साहित्य